दैनिक भास्कर रायपुर 07-07-2022

भास्कर खास • केन्द्र व गुजरात के प्रदूषण बोर्ड ने प्लास्टिक विकल्प को मान्यता दी

प्लास्टिक का विकल्पः मक्का-गन्ना और शकरकंद से बन रही बोतलें-थैलियां, 180 दिन में डिकंपोज हो जाती हैं

अनिरुद्ध सिंह परमार | अहमदाबाद

सिंगल यूज प्लास्टिक का विकल्प दिया है भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के इंक्यूबेशन सेंटर समर्थित स्टार्ट-अप ने। फुटुर डॉट कॉम नामक इस स्टार्ट-अप के इस विकल्प को सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और गुजरात पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने मान्यता दे दी है। सब कुछ ठीक रहा तो जल्द ही ये उत्पाद बाजार में उपलब्ध होंगे। निर्माता का दावा है कि उनके द्वारा तैयार ये बोतल-थैलियां 180 दिन में नष्ट हो जाती हैं। इस उत्पाद को मक्का, गन्ना और शकरकंद से तैयार किया जाता है। अभी इनका प्रयोग अहमदाबाद स्थित एक होटल के अलावा दक्षिण भारत की डेयरी चेन में किया जा रहा है। आईटी और रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी इस सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रभावी विकल्प देने वाले उत्पाद को रेलवे में प्रयोग किए जाने की सिफारिश की है।

पूरी तरह सुरक्षित और इकोफ्रेंडली हैं हमारे उत्पाद, प्लास्टिक के मुकाबले कम वजन

संस्थान से जुड़े निखिल कुमार ने बताया कि हमारा ये उत्पाद पूरी तरह सुरक्षित और इकोफ्रेंडली है। मैंने पिता के साथ मिलकर स्टार्टअप शुरू किया है। अभी हमारे द्वारा तैयार की गई बोतल और थैलियों को अहमदाबाद के कुछ होटल के अलावा गिफ्ट सिटी की कैंटीन में प्रयोग में लिया जा रहा है। हमारे द्वारा तैयार ये बोतल और थैलियां (प्लास्टिक जैसी) 180 दिन में पूरी तरह नष्ट (डिकंपोज) हो जाती हैं। प्लास्टिक के मुकाबले हमारे मटेरियल का वजन कम होता है, इसलिए ज्यादा माल मिलता है उपयोगकर्ता को। हम 30 माइक्रोन तक के उत्पाद तैयार करते हैं। इन्हें यदि पशु खा भी लेते हैं तो वह उनके लिए हानिकारक नहीं होंगे। निखिल ने बताया कि वे उत्पाद तैयार करने के लिए कच्चा माल दक्षिण अफ्रीका से मंगवाते हैं।

प्रकाशक एवं मुद्रक कमलकांत शर्मा द्वारा स्वामी डीबी कार्पोरेशन के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला रायपुर से मुद्रित एवं दैनिक भास्कर, रजबंधा मैदान, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जी.ई. रोड, रायपुर से प्रकाशित।

दैनिक भास्कर नई दिल्ली 07-07-2022

टैक्सी ड्राइवर की मदद करना चाहते हैं। | शिवसेना संगठन में सेंधमारी न कर सकें और मनाते हुए लौट रहे हैं।

भास्कर खास • केंद्र व गुजरात के प्रदूषण बोर्ड ने प्लास्टिक के विकल्प को मान्यता दी

प्लास्टिक का विकल्पः मक्का-गन्ना और शकरकंद से बन रही बोतलें-थैलियां, 180 दिन में डिकंपोज हो जाती हैं

अनिरुद्ध सिंह परमार | अहमदाबाद

सिंगल यूज प्लास्टिक का विकल्प दिया है भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के इंक्यूबेशन सेंटर समर्थित स्टार्ट-अप ने। फुटुर डॉट कॉम नामक इस स्टार्ट-अप के इस विकल्प को सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और गुजरात पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने मान्यता दे दी है। सब कुछ ठीक रहा तो जल्द ही ये उत्पाद बाजार में उपलब्ध होंगे। निर्माता का दावा है कि उनके द्वारा तैयार ये बोतल-थैलियां 180 दिन में नष्ट हो जाती हैं। इस उत्पाद को मक्का, गन्ना और शकरकंद से तैयार किया जाता है। अभी इनका प्रयोग अहमदाबाद स्थित एक होटल के अलावा दक्षिण भारत की डेयरी चेन में किया जा रहा है। आईटी और रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी इस सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रभावी विकल्प देने वाले उत्पाद को रेलवे में प्रयोग किए जाने की सिफारिश की है।

पूरी तरह सुरक्षित और इकोफ्रेंडली हैं हमारे उत्पाद, प्लास्टिक के मुकाबले कम वजन

संस्थान से जुड़े निखिल कुमार ने बताया कि हमारा ये उत्पाद पूरी तरह सुरक्षित और इकोफ्रेंडली है। मैंने पिता के साथ मिलकर स्टार्टअप शुरू किया है। अभी हमारे द्वारा तैयार की गई बोतल और थैलियों को अहमदाबाद के कुछ होटल के अलावा गिफ्ट सिटी की कैंटीन में प्रयोग में लिया जा रहा है। हमारे द्वारा तैयार ये बोतल और थैलियां (प्लास्टिक जैसी) 180 दिन में पूरी तरह नष्ट (डिकंपोज) हो जाती हैं। प्लास्टिक के मुकाबले हमारे मटेरियल का वजन कम होता है, इसलिए ज्यादा माल मिलता है उपयोगकर्ता को। हम 30 माइक्रोन तक के उत्पाद तैयार करते हैं। इन्हें यदि पशु खा भी लेते हैं तो वह उनके लिए हानिकारक नहीं होंगे। निखिल ने बताया कि वे उत्पाद तैयार करने के लिए कच्चा माल दक्षिण अफ्रीका से मंगवाते हैं।

प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ भरत अग्रवाल द्वारा मालिक मैसर्स डी बी कॉर्प लिमिटेड के लिए 105, INS बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं 8